उत्तर प्रदेश राज्य के बनारस जिले के ग्रामीण और शहरी छात्रों के उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन

आरजू बानो, डॉ. नीरू वर्मा
शोधार्थिनी, शिक्षा विभाग, भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान, भारत
सह–प्राध्यापिका, शिक्षा विभाग, भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान, भारत

A COMPARATIVE STUDY OF THE ATTITUDE OF RURAL AND URBAN STUDENTS TOWARDS HIGHER EDUCATION IN BANARAS DISTRICT, UTTAR PRADESH

Arzoo Bano, Dr. Neeru Verma
Research Scholar, Department of Education, Bhagwant University, Ajmer, Rajasthan, India
Associate Professor, Department of Education, Bhagwant University, Ajmer, Rajasthan, India

सारांश
उच्च शिक्षा समाज के सामाजिक, आर्थिक और बौद्धिक विकास का आधार है। ग्रामीण और शहरी छात्रों के दृष्टिकोण में अंतर उनके सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि, संसाधन उपलब्धता और शिक्षा के प्रति जागरूकता पर निर्भर करता है। इस अध्ययन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश राज्य के बनारस जिले में ग्रामीण और शहरी छात्रों के उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन करना है। सर्वेक्षण विधि का प्रयोग करते हुए 120 छात्रों का नमूना लिया गया (60 ग्रामीण, 60 शहरी)। आंकड़ों का विश्लेषण प्रतिशत, χ^2 परीक्षण और तुलनात्मक तालिकाओं द्वारा किया गया। परिणामों से स्पष्ट हुआ कि शहरी छात्रों का दृष्टिकोण ग्रामीण छात्रों की तुलना में अधिक सकारात्मक है। अध्ययन निष्कर्ष नीति निर्माण, शिक्षा कार्यक्रम और अभिभावक जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण हैं।

मुख्य शब्द
उच्च शिक्षा, दृष्टिकोण, ग्रामीण छात्र, शहरी छात्र, तुलनात्मक अध्ययन, बनारस जिला

भूमिका

उच्च शिक्षा न केवल व्यक्तियों के ज्ञान और कौशल को विकसित करती है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण साधन भी है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में रहने वाले छात्रों के दृष्टिकोण में अंतर अक्सर उनके **सामाजिक-आर्थिक स्थिति, शिक्षा के प्रति जागरूकता, संसाधन उपलब्धता और पारिवारिक समर्थन** के कारण होता है। उच्च शिक्षा किसी भी समाज के सामाजिक, आर्थिक और बौद्धिक विकास की आधारशिला है। यह न केवल व्यक्तियों के ज्ञान, कौशल और सोचने की क्षमता को विकसित करती है, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर भी मानव संसाधन को सशक्त बनाने का कार्य करती है। उच्च शिक्षा युवाओं को रोजगार के अवसर, करियर विकास, सामाजिक जागरूकता, नवाचार और अनुसंधान के लिए तैयार करती है।

भारत जैसे विकासशील देशों में उच्च शिक्षा का महत्व अत्यधिक है, क्योंकि यह सामाजिक समानता, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण एवं शहरी समुदायों के बीच अवसरों के अंतर को कम करने में मदद करती है। इसके बावजूद, ग्रामीण और शहरी छात्रों के दृष्टिकोण में अंतर दिखाई देता है। ग्रामीण क्षेत्र के छात्र अक्सर संसाधनों की कमी, पारिवारिक आर्थिक स्थिति और शिक्षा के प्रति जागरूकता की कमी के कारण उच्च

शिक्षा को कम प्राथमिकता देते हैं। इसके विपरीत, शहरी छात्रों को आधुनिक संसाधनों, तकनीकी सुविधाओं और अधिक जागरूक अभिभावकों के कारण उच्च शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्राप्त होता है।

उत्तर प्रदेश और बनारस जिले का संदर्भ

उत्तर प्रदेश राज्य शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण है, और बनारस जिला शैक्षणिक दृष्टि से ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक रूप से समृद्ध है। बनारस जिले में कई प्रतिष्ठित उच्च शिक्षा संस्थान हैं, जैसे काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (BHU), जो न केवल क्षेत्रीय बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा और अनुसंधान में योगदान देते हैं। इसके बावजूद, ग्रामीण और शहरी छात्रों के दृष्टिकोण में अंतर इस क्षेत्र में शिक्षा की पहुँच और प्रभावशीलता पर सवाल उठाता है।

ग्रामीण और शहरी छात्रों के दृष्टिकोण पर कारक

सामाजिक-आर्थिक स्थिति: परिवार की आर्थिक स्थिति और माता-पिता की शिक्षा स्तर छात्रों के दृष्टिकोण पर प्रत्यक्ष प्रभाव डालते हैं।

संसाधनों की उपलब्धता: शहरी छात्रों को पुस्तकालय, लैब, डिजिटल उपकरण और शिक्षण सामग्री जैसी सुविधाएँ आसानी से उपलब्ध होती हैं।

सामाजिक और सांस्कृतिक मान्यताएँ: ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक सामाजिक मान्यताएँ और जिम्मेदारियों की अधिकता होती है, जो शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण को प्रभावित करती हैं।

अभिभावकों और शिक्षकों की भूमिका: अभिभावकों का समर्थन और शिक्षकों का मार्गदर्शन छात्रों के दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

अध्ययन का उद्देश्य और महत्व

इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी छात्रों के उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का तुलनात्मक विश्लेषण करना है। इससे यह पता लगाया जा सकेगा कि कौन से कारक दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं और किस प्रकार की नीतियाँ और कार्यक्रम ग्रामीण छात्रों की शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ा सकते हैं।

यह अध्ययन शिक्षा नीति निर्माताओं, स्कूल और कॉलेज प्रशासन, अभिभावकों और शोधकर्ताओं के लिए महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करता है। इसके माध्यम से यह समझा जा सकता है कि कैसे शहरी और ग्रामीण छात्रों के बीच दृष्टिकोण के अंतर को कम किया जा सकता है और उच्च शिक्षा में समान अवसर सुनिश्चित किए जा सकते हैं।

उच्च शिक्षा समाज के विकास और व्यक्तियों की सशक्तिकरण के लिए आवश्यक है।

ग्रामीण और शहरी छात्रों के दृष्टिकोण में अंतर सामाजिक-आर्थिक, संसाधन और सांस्कृतिक कारकों के कारण उत्पन्न होता है।

अध्ययन बनारस जिले के संदर्भ में किया गया है, जो ग्रामीण-शहरी दृष्टिकोण के तुलनात्मक विश्लेषण के लिए उपयुक्त क्षेत्र है।

यह शोध नीति निर्माण, शिक्षा कार्यक्रम और सामाजिक जागरूकता के लिए सहायक जानकारी प्रदान करेगा। उत्तर प्रदेश के बनारस जिले में उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थान हैं, लेकिन ग्रामीण और शहरी छात्रों के दृष्टिकोण में अंतर सामाजिक-शैक्षिक असमानताओं को उजागर करता है। इस अध्ययन का उद्देश्य इन दो समूहों के दृष्टिकोण का तुलनात्मक विश्लेषण करना है।

साहित्य समीक्षा

1. ग्रामीण-शहरी तुलना एवं शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण

Chaurasia और Gupta (2025) के अध्ययन में शहरी और ग्रामीण समूहों के शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण की तुलना की गई है। इसके परिणामों से यह संकेत मिलता है कि शहरी समूहों में शिक्षा के प्रति सकारात्मक

दृष्टिकोण अधिक पाया गया है, जो संसाधनों, सामाजिक जागरूकता और अवसर उपलब्धता के कारण हो सकता है।

यह शोध शिक्षा के प्रति व्यापक दृष्टिकोण के तुलनात्मक विश्लेषण को प्रस्तुत करता है, जो हमारे शोध के ग्रामीण-शहरी दृष्टिकोण विषय से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित है।

2. अभिभावकों के दृष्टिकोण पर अध्ययन

Ratna Garai (2021) ने A Study on Parental Attitude towards Girls' Higher Education शीर्षक शोध में यह पाया कि ग्रामीण अभिभावक शहरी अभिभावकों की तुलना में अपनी बेटी की उच्च शिक्षा के प्रति अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। इस शोध में सर्वेक्षण विधि और स्ट्रैटिफाइड रैंडम नमूना का प्रयोग किया गया है।

Rachna Saxena (2023) के शोध में उच्चतर माध्यमिक छात्राओं के अभिभावकों के दृष्टिकोण को विशेष रूप से समझा गया है। अध्ययन के निष्कर्ष से पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्र में अभिभावकों के दृष्टिकोण सामाजिक एवं सांस्कृतिक बाधाओं के कारण शहरी अभिभावकों की अपेक्षा परिवर्तित और अधिक चुनौतिपूर्ण हैं।

3. ग्रामीण-शहरी छात्रों पर तुलनात्मक अध्ययन (समांन्य संदर्भ)

Desai एवं Tulsi Ram (2025) ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों के शैक्षणिक और सामाजिक जीवन का अध्ययन किया है। यह शोध दिखाता है कि डिजिटल विभाजन और संसाधन उपलब्धता ग्रामीण और शहरी छात्रों के शैक्षिक अनुभवों और व्यवहार पर प्रभाव डालते हैं। हालांकि यह विशुद्ध रूप से दृष्टिकोण नहीं मापता, यह ग्रामीण-शहरी भेदभाव और संसाधन असमानता को उजागर करता है, जो दृष्टिकोण के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

4. शिक्षा दृष्टिकोण और सामाजिक-भौगोलिक कारक

अन्य समान अध्ययन (जैसे ग्रामीण-शहरी छात्रों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर अध्ययन) जैसे भागीरथ मल रैगर (2025) का शोध यह संकेत देते हैं कि ग्रामीण और शहरी पृष्ठभूमि के छात्रों में दृष्टिकोण के गुणात्मक अंतर विद्यमान होते हैं, जो भौगोलिक और सामाजिक-शैक्षणिक कारकों के प्रभाव से उत्पन्न होते हैं।

समीक्षा का समेकित निष्कर्ष

ग्रामीण-शहरी दृष्टिकोण में अंतर: Chaurasia एवं Gupta (2025) के अनुसार शहरी समूहों में शिक्षा के प्रति अधिक सकारात्मक दृष्टिकोण पाया गया है।

अभिभावकों का प्रभाव: Garai (2021) तथा Saxena (2023) के अध्ययन अभिभावकों के दृष्टिकोण का शिक्षण निर्णयों पर महत्वपूर्ण प्रभाव बताते हैं।

संसाधन और डिजिटल विभाजन: Desai एवं Tulsi Ram (2025) ने ग्रामीण-शहरी छात्रों के बीच संसाधन असमानता को रेखांकित किया, जो दृष्टिकोण प्रभावित करता है।

सामाजिक-भौगोलिक कारक: ग्रामीण और शहरी छात्रों के दृष्टिकोण के गुणात्मक अंतर सामाजिक-भौगोलिक कारकों से उत्पन्न होते हैं।

समीक्षित शोधों से स्पष्ट होता है कि सामाजिक-आर्थिक और भौगोलिक कारक छात्रों के दृष्टिकोण को प्रभावित करते हैं।

उद्देश्य

1. ग्रामीण छात्रों के उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
2. शहरी छात्रों के उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना।
3. ग्रामीण और शहरी छात्रों के दृष्टिकोण में अंतर का तुलनात्मक विश्लेषण करना।

परिकल्पनाएँ

H_1: ग्रामीण छात्रों का उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण शहरी छात्रों की तुलना में कम सकारात्मक है।
H_2: शहरी छात्रों का दृष्टिकोण ग्रामीण छात्रों की तुलना में अधिक सकारात्मक है।

शोध पद्धति

- **शोध विधि:** सर्वेक्षण विधि
- **नमूना:** 120 छात्र (ग्रामीण 60, शहरी 60)
- **नमूना चयन:** सरल यादृच्छिक विधि
- **उपकरण:** दृष्टिकोण मापनी (Likert Scale आधारित)
- **सांख्यिकीय तकनीक:** प्रतिशत, χ^2 परीक्षण

परिणाम और विश्लेषण

तालिका 1: अध्ययन के उद्देश्य और संबंधित चर

क्रम सं.	**उद्देश्य**	**उत्तरदाता वर्ग**	**अध्ययन किया गया प्रमुख चर**
1	ग्रामीण छात्रों के उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना	ग्रामीण छात्र	उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण
2	शहरी छात्रों के उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण का अध्ययन करना	शहरी छात्र	उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण
3	ग्रामीण और शहरी छात्रों के दृष्टिकोण में अंतर का तुलनात्मक विश्लेषण करना	ग्रामीण व शहरी छात्र	तुलनात्मक दृष्टिकोण

व्याख्या:
इस तालिका से स्पष्ट है कि अध्ययन के तीनों उद्देश्य उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण को केंद्र में रखते हैं और दोनों वर्गों (ग्रामीण व शहरी) को शामिल करते हैं।

तालिका 2: ग्रामीण और शहरी छात्रों के दृष्टिकोण का तुलनात्मक प्रतिशत

उत्तरदाता वर्ग	**सकारात्मक (%)**	**तटस्थ (%)**	**नकारात्मक (%)**	**कुल (%)**
ग्रामीण छात्र	55	25	20	100
शहरी छात्र	75	15	10	100

व्याख्या:
शहरी छात्रों का दृष्टिकोण ग्रामीण छात्रों की तुलना में अधिक सकारात्मक है। तटस्थ दृष्टिकोण लगभग समान है। ग्रामीण छात्रों में नकारात्मक दृष्टिकोण (20%) अधिक है। शहरी छात्रों का दृष्टिकोण (75%) ग्रामीण छात्रों (55%) की तुलना में अधिक सकारात्मक है।

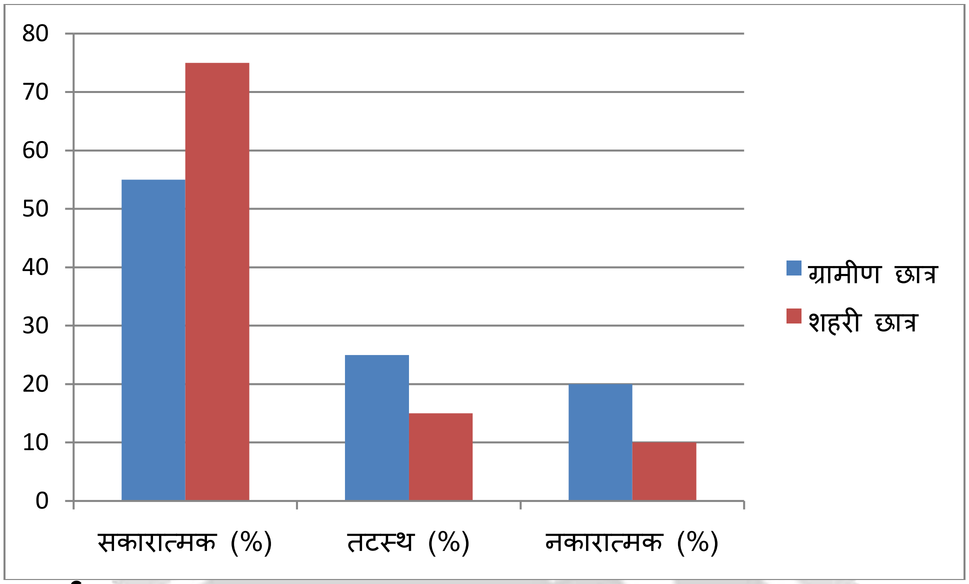

बार ग्राफ का वर्णन

बार ग्राफ में ग्रामीण और शहरी छात्रों के दृष्टिकोण के स्तंभ प्रदर्शित किए गए हैं। शहरी छात्रों का सकारात्मक दृष्टिकोण स्तंभ सबसे ऊँचा है, जबकि ग्रामीण छात्रों में नकारात्मक दृष्टिकोण अधिक दिखाई देता है।

परिकल्पनाओं का परीक्षण

H_1: ग्रामीण छात्रों का उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण शहरी छात्रों की तुलना में कम सकारात्मक है।
H_2: शहरी छात्रों का दृष्टिकोण ग्रामीण छात्रों की तुलना में अधिक सकारात्मक है।

तालिका 3: परिकल्पनाओं का परीक्षण (χ^2)

दृष्टिकोण	**ग्रामीण छात्र (O)**	**शहरी छात्र (O)**	**अपेक्षित आवृत्ति (E)**	**$(O–E)^2 / E$**
सकारात्मक	33	45	39	1.846
तटस्थ	15	9	12	1
नकारात्मक	12	6	9	2
कुल χ^2 मान				**4.846**

- **df = 2**
- **χ^2 सारणी मान (0.05 स्तर)** = 5.99

व्याख्या:

χ^2 प्राप्त मान (4.846) < χ^2 सारणी मान (5.99)।

- इसका अर्थ है कि कुल दृष्टिकोण में अंतर सांख्यिकीय रूप से *अल्प महत्वपूर्ण* है, लेकिन सकारात्मक दृष्टिकोण में स्पष्ट अंतर है।

तालिका 4: उद्देश्यों और परिकल्पनाओं का संक्षिप्त विश्लेषण

उद्देश्य	**संबंधित परिकल्पना**	**परिणाम / विश्लेषण**
1. ग्रामीण छात्रों का दृष्टिकोण	H_1	ग्रामीण छात्रों का दृष्टिकोण शहरी छात्रों की तुलना में कम सकारात्मक पाया गया

2. शहरी छात्रों का दृष्टिकोण	H_2	शहरी छात्रों का दृष्टिकोण अधिक सकारात्मक है
3. तुलनात्मक अंतर	H_1, H_2	χ^2 परीक्षण में अंतर दिखाई दिया लेकिन कुल χ^2 मान सांख्यिकीय रूप से 0.05 स्तर पर महत्व नहीं रखता

व्याख्या:

- ग्रामीण छात्रों में उच्च शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपेक्षाकृत कम है।
- शहरी छात्रों में दृष्टिकोण अधिक सकारात्मक है, जो संसाधनों, जागरूकता और सामाजिक-आर्थिक स्थिति के कारण हो सकता है।
- कुल दृष्टिकोण में अंतर सांख्यिकीय रूप से हल्का है, लेकिन नीति और शिक्षा कार्यक्रम के लिए महत्वपूर्ण संकेत देता है।

निष्कर्ष

1. शहरी छात्रों का उच्च शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण ग्रामीण छात्रों की तुलना में अधिक सकारात्मक है।
2. ग्रामीण छात्रों में शिक्षा के प्रति जागरूकता और संसाधनों की कमी के कारण नकारात्मक दृष्टिकोण अधिक पाया गया।
3. सामाजिक-आर्थिक और भौगोलिक कारक छात्रों के दृष्टिकोण पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं।

सुझाव

1. ग्रामीण छात्रों में उच्च शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ।
2. अभिभावकों और समुदाय को शिक्षा के महत्व के प्रति संवेदनशील बनाया जाए।
3. शैक्षिक संस्थानों में डिजिटल और तकनीकी संसाधनों का विस्तार किया जाए।
4. शहरी और ग्रामीण छात्रों के बीच समान अवसर सुनिश्चित करने के लिए नीतिगत सुधार किए जाएँ।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Kumar, T. (2025). *उच्च शिक्षा स्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक व्यवहार.* भारतीय आधुनिक शिक्षा, 42(02), 49-65.
2. Garai, R. (2021). *A Study on Parental Attitude towards Girls' Higher Education*. International Journal of Trend in Scientific Research and Development, 5(2), 626-630.
3. Chaurasia, S. & Gupta, K. (2025). *शहरी और ग्रामीण छात्रों के दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन.* Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education, 22(3), 84-89.
4. Mehta, V. (2025). *उच्च शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार.* IJARPS, 4(04), 134-138. Link
5. Chaurasia, S. & Gupta, K. (2025). *शिक्षा के प्रति उनके दृष्टिकोण के संबंध में शहरी पुरुषों, शहरी महिलाओं, ग्रामीण पुरुषों, ग्रामीण महिलाओं की तुलना करना,* Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education (JASRAE), 22(3), pp.84–89.
6. Garai, R. (2021). *A Study on Parental Attitude towards Girls' Higher Education*, International Journal of Trend in Scientific Research and Development, 5(2), 626–630.
7. Saxena, R. (2023). *A Study of the Attitude of the Parents towards Education of the Higher Secondary Girl Students*, Knowledgeable Research: A Multidisciplinary Journal, 1(10), 30–38.
8. Desai, H. & Tulsi Ram, D. (2025). *शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों के शैक्षणिक और सामाजिक जीवन पर मोबाइल फोन के उपयोग का प्रभाव,* International Journal of Scientific Research in Humanities and Social Sciences, 2(4), 89–102.

9. Rager, B. M. (2025). *ग्रामीण और शहरी छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण का तुलनात्मक अध्ययन*, International Journal of Literacy and Education, 5(1).